सांध्य दैनिक
4PM

सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद करने के अवसर खोजते रहते हैं। असफल लोग हमेशा पूछते रहते हैं कि, इसमें मेरे लिए क्या है?

-ब्रायन ट्रेसी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 30 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 3 मार्च, 2026

टी20 वर्ल्डकप: पहला सेमीफाइनल... 7 | असम में चुनाव से पहले उछलेंगे... 3 | बीएलओ पर गलत काम करने... 2

मिडिल ईस्ट में मिसाइल इंडिया में राजनीति गरमाई

भारत सिर्फ स्क्राल कर रहा है या फिर प्लानिंग?

» ट्रंप ने कहा- युद्ध लंबा चलेगा, ईरान का अमेरिकन एंबेसी पर अटैक

» बदले में इजरायल ने तेहरान पर बरसाये बम

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में चुनाव सिर पर है। बीजेपी खुलकर इजरायल के पक्ष में है तो कांग्रेस भी अपने गुजरे वोट बैंक को वापस लाने के लिए सड़कों पर उतर रही है। बीती रात लखनऊ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कल्बे जव्वाद समेत दूसरे नेताओं से हुई ताजियानी मुलाकात को इसी नजर से देखा जा रहा है। जव्वाद जो अब तक बीजेपी के सुर में सुर मिला रहे थे पीएम मोदी के इजरायल दौरे के बाद अब उन्होंने बीजेपी से दूरी बनाना शुरू कर दी है।

वहीं मिडिल ईस्ट में दागी जा रही मिसाइलों का दूसरा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ना शुरू हो गया है। कुछ लोग महंगाई से डरें तो बहुत से लोगों के अपने विदेशों में फंसे है और वह उनकी जिंदगी की सलामती को लेकर फिक्रमंद है। कुल मिलाकर दुनिया में चल रही उथल पुथल का असर हम पर अब सीधा पड़ना शुरू हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ विदेश नीति का सवाल नहीं रहने दिया इसे नैतिक नेतृत्व और भावनात्मक प्रतिनिधित्व के फ्रेम के नैरेटिव में ढालने की कोशिशों को शुरू कर दिया है।

नये समीकरण क्या कांग्रेस की ओर लौटेंगे जव्वाद?

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद से मिलना महज एक ताजियत मुलाकात नहीं था। यह एक राजनीतिक सिग्नल था। संदेश साफ था हम आपकी भावनाओं को समझते हैं। सवाल उठता है कि क्या यह सिर्फ संवेदना थी या एक संगठित चुनावी चाल? राजनीति में टाइमिंग संयोग नहीं होती। कांग्रेस लंबे समय से उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन खोज रही है। मुस्लिम मतदाता जो राज्य की चुनावी गणित में निर्णायक भूमिका निभाते हैं उनकी भावनाओं से जुड़ा कोई भी मुद्दा अचानक रणनीतिक महत्व ले लेता है। और यहां कहानी सिर्फ एक मुलाकात की नहीं है। यह उस नैरेटिव की है जिसे विपक्ष गढ़ना चाहता है कि सरकार की चुप्पी रणनीतिक संतुलन नहीं बल्कि भावनात्मक दूरी है।

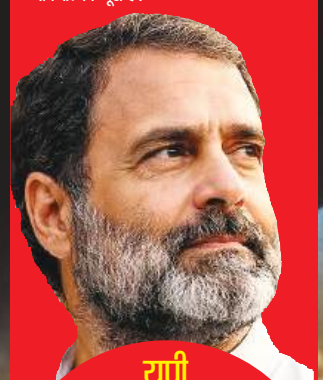

यूपी समेत अन्य राज्यों में मुस्लिम धर्मगुरूओं से राहुल गांधी का पैगाम लेकर मिल रहे हैं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

जंग में फंसे यात्रियों को लेकर दिल्ली में उतरा एयर इंडिया का विमान

भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने के विशेष अभियान के तहत दुबई से 149 फंसे हुए यात्रियों को वापस लाने का काम किया। एयरलाइन के अनुसार फ्लाइट एआई916डी सुबह 10:58 बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरी। पंजीकरण संख्या वीटी-ईडीसी वाले इस विमान में कुल 149 यात्री सवार थे जो क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों के कारण दुबई में फंसे हुए थे। मध्य पूर्व में मौजूदा संकट के दौरान यात्रियों को वापस लाने के लिए किसी भारतीय एयरलाइन द्वारा संचालित यह पहली उड़ान है। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि दुबई में 149 फंसे यात्रियों को लाने वाली फ्लाइट एआई916डी भारतीय समयानुसार 10:58 बजे दिल्ली में उतरी। हवाई अड्डे पर इन यात्रियों का स्वागत किया गया। एयर इंडिया ने कहा कि उसका ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर और सहायक टीमें असाधारण परिस्थितियों में इन उड़ानों को संभव बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।

दिल्ली लखनऊ में सुनाई दे रही है मिसइलों की राजनीतिक गूंज

कांग्रेस का आयतुल्ला की मौत पर सरकारी चुप्पी पर अटैक

मिडिल ईस्ट में दागी जा रही मिसाइलें की गूंज की आवाज दिल्ली और लखनऊ की राजनीति में साफ सुनाई दे रही है। ईरान-इजरायल टकराव ने अंतरराष्ट्रीय समीकरण बदले या नहीं यह अलग बहस है लेकिन भारत की घरेलू राजनीति में इसने हलचल जरूर पैदा कर दी है। खासकर तब जब युद्ध के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई को लेकर खबरों ने भावनात्मक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। भारत सरकार की आयतुल्ला की मौत पर खामोशी ने साइलेंस को मुद्दा बना दिया है। जंग में खामनेई की मौत के बाद सरकार की चुप्पी से भारत के लोगों का आक्रोश सड़कों पर उतर आया है। देश के बड़े शहरों में खामनेई की मौत के बाद प्रदर्शन हुए। महंगाई की आहट नहीं महंगाई दस्तक दे चुकी है और जंग का दायरा लगातार फैल रह है। अमेरिकन प्रेसीडेंट ने जंग को लंबा खिचने के आसार बताएं हैं। इन सब चीजों के बीच भारत में राजनीतिक विस्तार भी तेजी से हो रहा है और कांग्रेस इन हलातों को अपने फेवर में कर कुछ वोट प्रतिशत में इजाफा करने के प्लान पर आगे बढ़ चुकी है

149 ▸ दुबई में फंसे यात्रियों को एयर इंडिया ने भारत लाया

सीबीएसई ने टाली परीक्षाएं

ईरान-इजराइल संघर्ष के मद्देनजर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में पांच मार्च को होने वाली 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा है कि पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों जैसे बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में मौजूदा स्थिति के कारण बोर्ड ने पांच मार्च को 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं स्थगित करने का निर्णय लिया है। भारद्वाज ने बताया कि नयी तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी और आगे की परीक्षाओं के लिए स्थिति की समीक्षा पांच मार्च को की जाएगी। बोर्ड ने इस क्षेत्र में दो मार्च को होने वाली परीक्षा रविवार को स्थगित कर दी थी।

हाई एलर्ट पर देश

मध्य पूर्व के हालात को देखते हुए भारत में हाईअलर्ट जारी किया गया है। गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों ने सभी राज्यों को संदिग्ध लोगों पर नजर रखने और प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस फोर्स तैनात करने का निर्देश दिया है। राज्यों में पुलिस-प्रशासन ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर भी सख्त चेतावनी दी है। नागरिकों से कहा गया है कि वे किसी भी तरह का आपत्तिजनक, भड़काऊ या अनचाहा कंटेंट पोस्ट, शेयर या फॉरवर्ड करने से बचें। अफवाहें और भ्रामक संदेश माहौल को बिगाड़ सकते हैं और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन सकते हैं। पुलिस-प्रशासन ने कहा कि शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार का सम्मान किया जाता है लेकिन हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सुरक्षा बलों के साथ टकराव किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। ऐसी घटनाओं से जान-माल का नुकसान होता है और पूरे समाज को परेशानी होती है।

सबंधित खबरें 8 पर

बीएलओ पर गलत काम करने का दबाव बढ़ा : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- फार्म 6 के माध्यम से नये फर्जी नाम जोड़ने को कहा जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

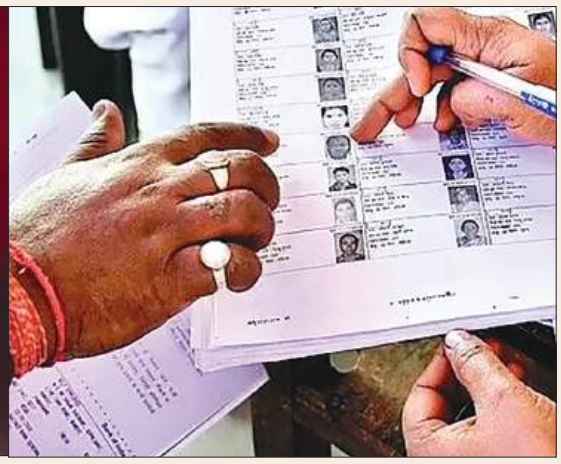

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एकबार फिर चुनाव आयोग व भाजपा पर हमला किया है। उन्होंने प्रदेश में बीएलओं के हालात पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा है कि दिन-रात चौबीसो घंटे के दबाव के अलावा प्रदेश में बीएलओ पर गलत काम करने का दबाव भी है।

पहले जो दबाव फार्म 7 से सही लोगों के नाम कटवाने का था, वैसा ही दबाव अब फार्म 6 के माध्यम से नये फर्जी नाम जोड़ने का है। ऐसा गलत काम करने के लिए अधिकतर बीएलओ का मन गवाही नहीं देता है, इसीलिए वो हताश होकर आत्महत्या जैसे प्राणघातक फैसले तक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसआईआर-2026 जीवनमुक्ति' के शीर्षक से आत्महत्या की चिट्ठी लिखकर ग्राम अलियाबाद, बिंदकी फतेहपुर में शिक्षामित्र बीएलओ अखिलेश कुमार सविता ने शनिवार शाम को सरकारी प्राथमिक विद्यालय के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कारण स्पष्ट रूप से एसआईआर का अत्यधिक दबाव व 10 दिन बाद होने वाली बेटी की शादी के लिए अधिकारियों द्वारा छुट्टी न देना था।

बीएलओ निराश-हताश न हों

अखिलेश यादव ने बीएलओ से अपील की है कि निराश-हताश न हों। आपका जीवन आप और आपके परिवार के लिए अनमोल है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जब खलनायक बन चुकी सत्ताओं का घोर पतन दुनिया ने देखा है। उन्होंने कहा कि भाजपाई स्वयं तो निर्मम-निर्दयी हैं ही, इन्होंने अधिकारियों को भी हृदयहीन-संवेदनहीन बना दिया है। बेटी की शादी का भावनात्मक महत्व और जिम्मेदारी कितनी होती है, ये वो ही जान सकते हैं, जिनके अपने परिवार हैं। भाजपा को इस पाप का महापाप लगेगा।

सपा 15 मार्च को सभी जिलों में मनाएगी कांशीराम जयंती

सपा ने 15 मार्च को सभी जिलों में कांशीराम जयंती मनाने का फैसला किया है। पार्टी का प्रयास है कि जिलास्तर पर होने वाले इन कार्यक्रमों में दलित समाज के लोगों की ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाई जाए। आयोजनों में बसपा संस्थापक कांशीराम और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बीच रहे रिश्तों की भी याद दिलाई जाएगी। इस संबंध में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी जिला व महानगर पदाधिकारियों को कांशीराम जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

पार्षद के घर पहुंचे सपा प्रमुख

छह बार के पार्षद कामरान बेग के पिता की मृत्यु के बाद उनके घर सांत्वना देने सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहुंचे। वह यहां करीब एक घंटे तक रहे और परिवार के बारे में चर्चा की। यदुनाथ सान्याल नजदबाग वार्ड के पार्षद कामरान के पिता अतीक मिर्जा का 86 वर्ष की आयु में 16 फरवरी निधन हो गया था। स्वर्गीय मिर्जा फुटबाल, हॉकी व शतरंज के बेहतरीन खिलाड़ी थे। कई खेल संघों से भी वह जुड़े थे। सपा प्रमुख ने मिर्जा के निधन पर दुख प्रकट किया और बीमार चल रही कामरान की मां के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ की।

शंकराचार्य के मुद्दे पर अखिलेश-केशव आमने-सामने

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जगद्गुरू शंकराचार्य भगवान हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ढोंगी हैं। शंकराचार्य जहां भी जाएंगे हम रामभक्त होने के नाते उनका स्वागत करेंगे। हिंदू धर्म में शंकराचार्य का स्थान सर्वोच्च है। डिप्टी सीएम सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून का राज है। किसी अपराधी या गो तस्कर की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह गोमाता की हत्या करे। गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा, सपा के शासनकाल में रामभक्तों और शिवभक्तों का दमन किया गया। गो तस्करों को संरक्षण मिला। अखिलेश का शंकराचार्य को समर्थन देना केवल राजनीतिक पैंतरा है ताकि वे हिंदू मतदाताओं को भ्रमित कर सकें। जब भी सपा या कांग्रेस हिंदुत्व की बात करते हैं तो वह केवल वोट बैंक की खातिर किया गया एक राजनीतिक ढोंग होता है। सपा- कांग्रेस के नेताओं पर हिंदू विश्वास नहीं करते हैं।

एआईसीसी के एटीएम तेलंगाना में राहुल गांधी का स्वागत : रामाराव

» बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए उनकी तेलंगाना यात्रा पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि वे मुख्यमंत्री द्वारा वादा किए गए 1,000 करोड़ रुपये लेने आए हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में राव ने लिखा कि हैलो राहुल गांधी। एआईसीसी के एटीएम तेलंगाना में आपका स्वागत है। क्या आप सिर्फ अपने मुख्यमंत्री द्वारा वादा किए गए 1,000 करोड़ रुपये लेने आए हैं? केटी रामाराव ने आगे पूछा कि क्या कांग्रेस नेता उन 6 गारंटियों की प्रगति की समीक्षा करेंगे जिन्हें 100 दिनों के भीतर पूरा करने का वादा किया गया था, साथ ही उन 420 अन्य वादों की भी समीक्षा करेंगे जो उन्होंने राज्य की जनता से किए थे। उन्होंने कहा कि क्या आप उन 6 गारंटियों की प्रगति की समीक्षा करने की परवाह करते हैं जिन्हें 100 दिनों के भीतर पूरा करने का वादा किया गया था और उन 420 अन्य वादों की भी जो आपने जनता से किए थे? ये टिप्पणियां तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार और विपक्षी बीआरएस के बीच चुनावी वादों के क्रियान्वयन को लेकर जारी राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं। इससे पहले दिन में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के साथ हैदराबाद पहुंचे, जहां शमशाबाद हवाई अड्डे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनका स्वागत किया। राहुल गांधी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के डीसीसी अध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र के लिए विकाराबाद जिले के अनंतगिरि पहाड़ियों की ओर रवाना हुए हैं।

उपेंद्र कुशवाहा हो सकते है रास के प्रत्याशी

» शाह और नितिन नवीन से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ देर रात हुई चर्चा के बाद बिहार से राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने की संभावना है।

कुशवाहा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की, जहां बातचीत में राज्यसभा की खाली सीट और बिहार की बदलती राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई। सूत्रों ने संकेत दिया कि बैठक सकारात्मक रही और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की रणनीति के तहत कुशवाहा के नामांकन पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के मजबूत पक्ष को देखते हुए, सत्तारूढ़ एनडीए बिहार की पांच राज्यसभा सीटों में से चार पर जीत हासिल करने के लिए तैयार है, जबकि विपक्षी महागठबंधन को एक सीट मिलने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने बुधवार को घोषणा की कि राज्यसभा की 37 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 16 मार्च को होंगे। ये सीटें अप्रैल में अलग-अलग तिथियों पर रिक्त हो रही हैं। चुनाव 10 राज्यों - महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार में होंगे। मौजूदा राज्यसभा सदस्यों के इस वर्ष सेवानिवृत्त होने के कारण चुनाव आवश्यक हो गए हैं।

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को राजनीति में जरूर आना चाहिए : नीरज

» बोले जदयू नेता - पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि राज्यसभा कौन जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीरज कुमार ने मंगलवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को राजनीति में जरूर आना चाहिए। यह तब हुआ जब बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने पुष्टि की कि निशांत कुमार होली के अवसर पर पार्टी में शामिल होंगे और उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। नीरज कुमार ने यह भी सुझाव दिया कि निशांत कुमार राज्यसभा जाने के योग्य हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की यही अपेक्षा है कि ऐसे व्यक्ति को राजनीति में आना चाहिए। ऐसे लोगों को राजनीति में जरूर आना चाहिए। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि राज्यसभा कौन जाएगा। लेकिन क्या कोई उनकी योग्यता पर सवाल उठा सकता है? क्या उन पर भ्रष्टाचार का आरोप है? अगर ऐसा कुछ नहीं है, तो ऐसे लोगों को जनजीवन में जरूर आना चाहिए। नीरज कुमार ने आगे कहा कि अगर तेजस्वी यादव और निशांत की तुलना करें, तो तेजस्वी यादव के खिलाफ चार राज्यों में मामले दर्ज हैं। निशांत कुमार शिक्षा के क्षेत्र में उनसे कहीं आगे हैं। इसलिए दोनों की कोई तुलना नहीं है। अब बिहार के युवा यह देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं कि निशांत कब सक्रिय राजनीति में आएंगे। इससे पहले, श्रवण कुमार ने कहा कि यह कदम पार्टी कार्यकर्ताओं और बिहार की जनता की मांगों के जवाब में उठाया गया है। श्रवण कुमार ने कहा कि होली के अवसर पर, बिहार के युवाओं और जेडीयू कार्यकर्ताओं की मांग के अनुसार, निशांत कुमार पूरी तरह से पार्टी में शामिल हो रहे हैं। पार्टी तय करेगी कि उन्हें क्या जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, लेकिन मैं आपको बता रहा हूं, उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। हम बहुत खुश हैं। बिहार के मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार के जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने मंगलवार को कहा कि निशांत को सक्रिय राजनीति में आना चाहिए।

असम में चुनाव से पहले उछलेंगे पुराने मुद्दे

गोगोई 2013 की पाकिस्तान यात्रा को सीएम ने उभारा

» कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार

» हिमंत बिस्व सरमा व गौरव गोगोई में जुबानी जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम में चुनाव होने हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा दूसरीबार सत्ता में वापसी के लिए जाएंगे। उधर कांग्रेस उन्हें रोकने की पूरी कोशिश में जुटी है। असम की राजनीति इस समय सीधे टकराव के मोड में खड़ी है। 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने जब यह कहा कि पाकिस्तान का भारत में कोई एसेट नहीं होना चाहिए और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को सीधे पाकिस्तान से जुड़ा बताया, तो यह महज बयानबाजी नहीं थी।

सवाल यह है कि क्या यह हमला केवल चुनावी रणनीति है या पुराने हिसाब चुकता करने की कोशिश। असम की सियासत समझने वाले जानते हैं कि यह टकराव आज का नहीं है। इसकी जड़ें उस दौर में हैं जब सरमा कांग्रेस में थे और स्वर्गीय तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली सरकार में ताकतवर मंत्री माने जाते थे। बाद में नेतृत्व को लेकर उठा विवाद, कथित उपेक्षा और हाई कमान की राजनीति ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया। 2015 में उनका भाजपा में जाना और उसके बाद 2016 में सत्ता परिवर्तन ने असम की राजनीति का नक्शा बदल दिया। तब से यह संघर्ष वैचारिक कम, व्यक्तिगत अधिक हो गया।

गौरव गोगोई ने आरोपों को निराधार और हास्यास्पद बताया

यहां दो बातें साफ दिखती हैं। पहली यह कि राष्ट्रसुरक्षा का सवाल जितना गंभीर होता है, उसका राजनीतिक इस्तेमाल उतना ही खतरनाक। दूसरी यह कि यदि आरोप इतने ठोस हैं तो जांच और ज्यादा पारदर्शी होनी चाहिए थी। वहीं गौरव गोगोई ने आरोपों को निराधार और हास्यास्पद बताया है। उन्होंने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री के परिवार की कथित जमीन संपत्ति पर सवाल उठाए और कहा कि सत्ता में आने पर वह जमीन गरीबों में बांट दी जायेगी। इस तरह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से हटकर संपत्ति और परिवार तक पहुंच गया।

राहुल गांधी के कुत्ते को बिस्कुट खिलाने वाली तस्वीर पर सरमा कस चुके हैं तंज

राजनीतिक विमर्श का स्तर तब और गिरा जब पुरानी घटनाएं फिर उछाली गईं। 2017 का वह प्रसंग, जब राहुल गांधी के कुत्ते को बिस्कुट खिलाने वाली तस्वीर पर सरमा ने तंज कसा था, फिर चर्चा में आ गया। बाद में एक वीडियो को लेकर भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल ने असम के नेताओं का अपमान किया था। सरमा ने खुद को गौरवपूर्ण असमी और भारतीय बताते हुए कहा कि वह किसी का बिस्कुट खाने वाले नहीं। इस बयान का संदेश साफ था कि वह अब दिल्ली के दरबार की राजनीति से मुक्त हैं और असम की अस्मिता के रक्षक हैं।

यह एक सोची समझी राजनीतिक चाल

यह एक सोची समझी राजनीतिक चाल थी, जिसमें राष्ट्रवाद का तीखा तड़का लगाकर विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की गई। चुनावी मौसम में किया गया यह वार साफ संकेत देता है कि आने वाले महीनों में असम की सियासत बेहद आक्रामक और व्यक्तिगत होने वाली है। सीएम ने 2013 की उस पाकिस्तान यात्रा को मुद्दा बनाकर आग में घी डाला है, जिसमें गौरव गोगोई अपनी पत्नी के साथ वहां गए थे। लाहौर, इस्लामाबाद और कराची की यात्रा को लेकर जो सवाल उठाए गए, वह सीधे राष्ट्रद्रोह जैसे गंभीर आरोपों तक पहुंच गए। अब सरमा ने 2013 की उस पाकिस्तान यात्रा को मुद्दा बनाकर आग में घी डाला है, जिसमें गौरव गोगोई अपनी पत्नी के साथ वहां गए थे। लाहौर, इस्लामाबाद और कराची की यात्रा को लेकर जो सवाल उठाए गए, वह सीधे राष्ट्रद्रोह जैसे गंभीर आरोपों तक पहुंच गए। मुख्यमंत्री का कहना है कि लोकसभा में रक्षा, परमाणु संयंत्र और कश्मीर से जुड़े प्रश्न उस यात्रा से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने विशेष जांच दल की रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी और केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग की।

विकास, रोजगार या बाढ़ प्रबंधन पर नहीं लड़ा जाएगा चुनाव

यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि 2026 का चुनाव केवल विकास, रोजगार या बाढ़ प्रबंधन पर नहीं लड़ा जाएगा। यह चुनाव अस्मिता, राष्टवाद और निजी विश्वसनीयता के सवालों पर टिकेगा। सरमा जानते हैं कि राष्ट्रय सुरक्षा का मुद्दा भाजपा के लिए मजबूत हथियार है। वह यह भी जानते हैं कि कांग्रेस को रक्षात्मक मुद्रा में लाने का यह असरदार तरीका है। वहीं गोगोई समझते हैं कि यदि वह इस हमले को राजनीतिक बदले की कार्रवाई साबित कर दें तो सहानुभूति हासिल कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री की पत्नी पर सरकारी योजनाओं में लाभ ले रहीं हैं: गोगोई

दूसरी ओर, गोगोई ने भी पलटवार में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने मुख्यमंत्री की पत्नी पर सरकारी योजनाओं में लाभ लेने के आरोप लगाए। जवाब में मानहानि का मुकदमा हुआ। अब सरमा ने गोगोई की पत्नी पर पाकिस्तान स्थित संगठन से जुड़े होने का आरोप लगाया है। उनकी विदेशी नागरिकता, वीजा नियम और कथित धन लेनदेन को लेकर सवाल खड़े किए गए। गोगोई ने इसे व्यक्तिगत प्रतिशोध बताया और चुनौती दी कि यदि आरोप सिद्ध न हों तो मुख्यमंत्री इस्तीफा दें।

होगी जोरदार टक्कर

बहरहाल, असम का मतदाता सब कुछ देख रहा है। एक तरफ वह नेता है जिसने कांग्रेस से विद्रोह कर भाजपा को असम में स्थापित किया। दूसरी तरफ वह चेहरा है जो अपने पिता की विरासत और कांग्रेस की जमीन बचाने की कोशिश में है। 2026 का चुनाव तय करेगा कि असम की जनता किस कहानी पर भरोसा करती है राष्ट्र की चेतावनी पर या राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप पर। इतना तय है कि यह जंग अभी लंबी चलेगी।

बिहार में राज्यसभा में चुनाव पर दांव

» पांचवीं सीट के लिए दंगल

» एनडीए और महागठबंधन में मची है रार

» अपनी-अपनी रणनीति पर रस्साकसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एनडीए के लिए महागठबंधन ने राह कठिन करना प्रारंभ कर दिया है। जहां विपक्ष कानून व्यवस्था पर सरकार को घेर रहा है वहीं राज्य सभा चुनाव में भी वह उसे मात देने की तैयारी कर रहा है।

16 मार्च को राज्यसभा का चुनाव होना है, जिसमें पांचवें सीट पर घमासान मचा हुआ है। राज्य सभा की पांच सीट खाली हो रही हैं, जिसमें बिहार में एनडीए के जीते हुए सीट के अनुसार चार सीट एनडीए के पक्ष में जा सकता है, लेकिन पांचवें सीट के लिए कशमकश जारी है।

महागठबंधन खेमे में राजद के पास फिलहाल 25 सीट

अब महागठबंधन के गणित को भी समझिए। महागठबंधन खेमे में राजद के पास फिलहाल 25 सीट है। अगर पूरे महागठबंधन की सीटों को जोड़ दें तो महागठबंधन के पास कुल 35 सीटें हैं। राज्यसभा में एक सदस्य भेजने के लिए 41 सीटों की जरूरत होती है। यह संख्या कैसे पूरी होगी? दरअसल इसी को पूरा करने के लिए राजद के मनेर विधायक भाई वीरेन्द्र ने यह बयान दिया कि तीना साहेब को महागठबंधन राज्य सभा भेजा जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि यह संख्या पूरी कैसे होगी?

एक सदस्य भेजने के लिए 41 सीटों की जरूरत

आंकड़ों के गणित के अनुसार राज्यसभा में एक सदस्य भेजने के लिए 41 सीटों की जरूरत होती है और पांच सीटों पर 205 विधायकों के वोट की जरूरत पड़ेगी। एनडीए के पास 202 सीटें हैं उस हिसाब से 4 सदस्यों को भेजने में कोई संकट नहीं होगी। पांचवे सदस्य के लिए एनडीए के पास मात्र 38 (202-164) सीट बचे हैं। एनडीए को अब 38 के बाद तीन सीट और चाहिए होगा, जिसके लिए जुगत चल रही है।

राजद को एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक समर्थन की कोशिश

अगर राजद को एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक समर्थन मिल जाए तो वह अपने उम्मीदवार को राज्यसभा भेज सकता है। लेकिन, यह मुमकिन होगा कैसे? क्यों कि बिहार विधान सभा चुनाव में जब यही पार्टी राजद को महागठबंधन में शामिल होने के लिए राबड़ी आवास तक ढोलबाजे के साथ आने के बाद भी राजद ने एआईएमआईएम पार्टी को महागठबंधन में शामिल नहीं किया था। इसलिए दो दिन पहले ही एआईएमआईएम दल के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान ने घोषणा करते हुए कहा था कि इस बार उनकी पार्टी भी राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार पेश करेगी। अब इसके लिए उन्हें समर्थन या तो महागठबंधन दे दे या फिर कोई और। लेकिन चूंकि बिहार विधान सभा में एआईएमआईएम को राजद से झटका मिला था, इसलिए महागठबंधन और ओवैसी की पार्टी के बीच खींचतान में ऐसा मुमकिन है कि पांचवीं सीट भी एनडीए के पाले में ही चली जाएगी।

बयानबाजी की पिचकारी सबसे रंगीली है

बुरा न मानो होली है...

संजय शर्मा
(संपादक 4PM)

नम्बर वन पर चल रहा
देख सके तो देख।
हैं रिकार्ड पुख्ता मेरे
नहीं मैं रहा फेंक ।।
नहीं मैं रहा फेंक
कृपा ईश्वर की जानो !
4पीएम चैनल को प्यारों
अपना मानो।।
सब्सक्राइबर हुए
आठ मिलियन से ऊपर।
संजय देते धन्यवाद
चैनल वन नम्बर।।

नरेंद्र मोदी व अमित शाह

ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे
तोड़ेंगे दम मगर
तेरा साथ ना छोड़ेंगे।

अखिलेश यादव

ट्रैक टूटता देखकर,
दुख अपार है मोय ।
नेता जी की आत्मा,
रही स्वर्ग से रोय !!

नीतीश कुमार

कहते मुझको लोग सब,
कोई ऐसा सगा नहीं,
जिसको हमने ठगा नहीं !
लेकिन जब हम ठगे गए,
किसी को ऐसा लगा नहीं !!

शरद पवार

कुर्सी लड़ाय रही
कुर्सी मिलाय रही
सबहिं के सर पे
सवार भई कुर्सी।
खींच-तान, तान-
खींच, सबहिं
दलन बीच,
पावर के मद में
पवार भई
कुर्सी।।

डोनाल्ड ट्रंप

शांति शांति
कहता रहा,
नोबेल मिला न
हाय !
जब नोबेल ही ना
मिला, युद्ध
ही किया
जाय ।।

प्रियंका गांधी वाड्रा

नई नहीं, अब
बोलना, सीख गई
मैं खूब ।
चाहे सदन या मंच
हो, किया हर जगह
'प्रूव' ।।

स्मृति ईरानी

अहंकार में हो गया
क्या से क्या
भगवान !
घर की रही न
घाट की, गई
शान और बान ।।

ममता बनर्जी

मैं बंगाली शेरनी, कहती
हूँ समझाय।
डर जाना मुमकिन नहीं,
ओ बाबू मोशाय !!

राहुल गांधी

भैया देखो मैं
चला, जुड़ा
देश श्रीमान।
नफरत के
बाजार में,
लव की खुली
दुकान !!

सुब्रह्मण्यम स्वामी

राज की बात
कह दूँ तो
जाने महफिल में
फिर क्या हो...।

राजेश अरोरा शलभ (हास्य कवि)

न आया प्यार का मैसेज,
जुड़े ना तार होली में !
रहे बैठे सुबह से शाम
तक बेकार होली में !
नहीं है रंग, ठंडाई, न
गुझिया की झलक पाई,
पड़ी महंगाई की इस बार
ऐसी मार
होली में !!!

रचनाकार : राजेश अरोरा शलभ, कार्टूनिस्ट: रवान जैदी

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लालच छोड़ने से हम प्रकृति की विनाशलीला से बच सकते हैं

उत्तराखंड में साल 2013 में केदारनाथ में भयंकर विनाशकारी आपदा आई थी। केदारनाथ आपदा में 4400 से अधिक लोग मारे गए। 7 फरवरी 2022 को धौली और ऋषि गंगा का ऐसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों जिंदगियां दफ्न हो गई थी। इस आपदा ने न सिर्फ 204 लोगों की जान ले ली, बल्कि अपने रास्ते में आने वाले सभी बुनियादी ढांचों को नष्ट कर दिया। इन सब विनाश के पीछे पर्यावरण के साथ मनुष्यों की ज्यादिती है। अपने लाभ के लिए हमने प्रकृति को नुकसान पहुंचाया है। बाद में उसने हमे बर्बाद किया। हमें सचेत होने की आवश्यकता है। बता दें आपदा में करीब 1,625 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। वर्ष 2025 में 51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए, जो पिछले साल अर्थात 2024 की तुलना में 4 लाख 35 हजार अधिक है। केदारनाथ यात्रा के दौरान डेढ़ से 2 टन कचरा रोजाना उत्पन्न होता है।

वर्ष 2025 की यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17.68 लाख भक्तों ने लगभग कुल 2300 टन से अधिक कचरा फैलाया है, जिसमें 100 टन प्लास्टिक शामिल है। हिमालयी क्षेत्र में कूड़ा जलाने पर बैन होने के कारण, इस मलबे को खच्चरों द्वारा सोनप्रयाग नीचे लाने में ?25 करोड़ से अधिक की लागत आ रही है। यह कचरा पिछले साल की तुलना में 325 टन अधिक है। जिसमें 2200 टन ठोस कचरा और लगभग 100 टन प्लास्टिक शामिल है। हर तीर्थयात्री ने औसतन 1.5 किलो से ज्यादा कचरा छोड़ा। भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। यह कचरा 23 अक्टूबर 2025 को कपाट बंद होने के बाद सफाई अभियान के दौरान गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच मिला। जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, अल्मोड़ा और उत्तराखंड औद्योगिक एवं वानिकी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक चारधाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ ग्रीष्मकालीन के साथ ही शीतकालीन गतिविधियों को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में ग्लेशियरों के पीछे खिसकने की वजह से भूस्खलन हिमस्खलन चट्टानों के गिरने समेत खतरों को बढ़ा रहा है। यही नहीं, ग्लेशियर के पीछे हटने से हैकिंग ट्रेल्स और पर्वतारोहण मार्गों में भी बदलाव आ रहे हैं। लिहाजा, चारधाम में बढ़ रही भक्तों की भीड़ की वजह से पर्वतीय पर्यटन पर प्रभाव पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण और कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण/पेड़ों की कटाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को मूकदर्शक बने रहने के लिए कड़ी फटकार लगाई थी।

“ 7 फरवरी 2022 को धौली और ऋषि गंगा का ऐसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों जिंदगियां दफ्न हो गई थी। इस आपदा ने न सिर्फ 204 लोगों की जान ले ली, बल्कि अपने रास्ते में आने वाले सभी बुनियादी ढांचों को नष्ट कर दिया। इन सब विनाश के पीछे पर्यावरण के साथ मनुष्यों की ज्यादिती है। अपने लाभ के लिए हमने प्रकृति को नुकसान पहुंचाया है। बाद में उसने हमे बर्बाद किया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ईरान पर हमले से बढ़ेगा मध्यपूर्व का संकट

हिहिहिहि

शनिवार को हुए हमलों में कम से कम दो सौ से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें दक्षिणी ईरान के एक स्कूल में हुए 80 से ज्यादा लोग शामिल हैं। अमेरिका में इस हमले के हवाले से जो पोल कराया गया, उससे स्पष्ट हुआ कि केवल 33 फीसद लोग ईरान पर आक्रमण के पक्ष में थे। डेमोक्रेटिक हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीस ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमला करने से पहले कांग्रेस से मंजूरी लेने में नाकाम रहे थे।' ट्रंप को कन्विंस करना होगा कि ईरान पर कार्रवाई के बाद अमेरिकन्स सुरक्षित हैं। चीनी विदेश मंत्रालय मिडल ईस्ट में फंसे अपने नागरिकों को वहां से निकल लेने के कई विकल्प दे चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अस्तारा बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए अजरबैजान में हमारे नागरिक बिना वीज़ा के आ सकते हैं, जो रोज़ सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक खुला रहता है। अगराक क्रॉसिंग से आर्मेनिया में भी बिना वीजा के एंट्री मिलती है।

चीनी दूतावास के मुताबिक, 'वान, आगरी और हक्कारी प्रांतों में बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए तुर्की में जमीन के रास्ते खुले हैं, जहां चीनी पासपोर्ट होल्डर्स को भी बिना वीजा के आने-जाने की इजाज़त है। जो लोग इराक में घुसना चाहते हैं, वे शालमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए ऐसा कर सकते हैं, बशर्ते वे पहले से इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा ले लें, या पहुंचने पर टेम्पररी वीज़ा के लिए अप्लाई करें।' मिडिल ईस्ट में कई एम्बेसी, जिनमें तुर्की, अजरबैजान और इराक शामिल हैं, ने उन चीनी नागरिकों के लिए अधिसूचना जारी की हैं, जो ईरान से इन देशों में इवैक्युएट होना चाहते हैं। इससे एक बात तो नजर आ रही है, कि मिडल-ईस्ट में लड़ाई लम्बी चलेगी। उसमें चीन और रूस की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। इनकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की रहेगी। युद्ध प्रभावित और ईरानी टारगेट वाले देशों में कोई 50 हजार रूसी नागरिक हैं। कतर और बहरीन में कोई दो हजार रूसी नागरिकों को निकलने की चिंता क्रेमलिन को है। लेकिन चीन-रूस से कई गुना अधिक 97 लाख के करीब भारतीय नागरिक युद्ध प्रभावित गल्फ के देशों में हैं, उन्हें सुरक्षित निकालना आसान नहीं है।

इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल में हवाई हमले और धमाकों की खबर है। शिया मिलिशिया शरया उलिया अल-दाम ने उस जगह पर कब्ज़ा करने का दावा किया, जहां एक बड़ी फ्यूल स्टोरेज की जगह थी। मूवमेंट के मिलिट्री विंग के प्रतिनिधियों ने घोषणा

की, कि इराक में अमेरिकी सैनिकों, प्रॉपर्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले जारी रहेंगे। कतर, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन और यूएई अमेरिकी मित्र और सैन्य ठिकानों वाले देश हैं। ईरानी ऑपरेशन में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या कथित तौर पर बढ़ गई है। कुवैत में एक बेस और बहरीन में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प के हमलों में सबसे ज़्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए। एक बात तो मान कर चलें, जिन-जिन देशों में अमेरिकी बेस हैं, वो मुल्क भी महफूज नहीं हैं। दोहा के बाहर रेगिस्तान में 24 हेक्टेयर का अल उदीद एयर बेस, यूएस सेंट्रल कमांड का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर है, जो पश्चिम में मिस्र से लेकर पूर्व में कजाकिस्तान तक फैले इलाके में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन्स को डायरेक्ट करता है। मिडिल ईस्ट के सबसे बड़े अल उदीद बेस में करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक हैं। इसके अलावा कैंप आरिफजान में अमेरिकी सैनिकों का जमावड़ा है। अमेरिकन आर्मी सेंट्रल का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर, अली अल सलेम एयर बेस को माना जाता है, जो इराकी बॉर्डर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है, और अपने ऊबड़-खाबड़ माहौल की वजह से 'द रॉक' के नाम से जाना जाता है। यूएस आर्मी की वेबसाइट के मुताबिक, कैंप ब्यूहरिंग 2003 के इराक युद्ध के दौरान बनाया गया था, और यह इराक और सीरिया में तैनात अमेरिकी आर्मी यूनिट्स के लिए एक स्टेजिंग पोस्ट है। अबू धाबी के दक्षिण में मौजूद अल धाफरा एयर बेस, अमेरिकी एयर फोर्स का एक अहम हब है। दुबई का जेबेल अली पोर्ट, मिडिल ईस्ट में यूएस नेवी का सबसे बड़ा पोर्ट ऑफ कॉल है, जहां नियमित रूप से अमेरिकी युद्धक विमान और दूसरे जहाज आते-जाते रहते हैं।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, 'अमेरिका, इराक के पश्चिमी अनबर प्रांत में ऐन अल असद एयर बेस पर अपनी उपस्थिति बनाए रखता है, जो इराकी सुरक्षा बलों को सपोर्ट करता है और नाटो मिशन में योगदान देता है।' 2020 में ईरानी मिसाइल हमलों में इस बेस को निशाना बनाया गया था। उत्तरी इराक के सेमी-ऑटोनॉमस कुर्दिस्तान इलाके में मौजूद, एरबिल एयर बेस अमेरिकी और मित्र सेनाओं के लिए ट्रेनिंग, एक्सरसाइज और बैटल ड्रिल करने के लिए एक हब के तौर पर काम करता है। यूएस कांग्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 'यह बेस उत्तरी इराक में ट्रेनिंग, इंटेलिजेंस शेयरिंग और लॉजिस्टिक कोऑर्डिनेशन में अहम भूमिका अदा करता है।'

विश्वविद्यालयों की ब्रांडिंग के युग में मौलिकता का प्रश्न

हिहिहिहिहि

यकीन मानिए, मुझे हैरानी नहीं हुई जब मुझे पता चला कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने हाल ही में देश की राजधानी में हुई भारत एआई इंपेक्ट समिट में विवाद खड़ा कर दिया है। जी हां, प्रोफेसर नेहा सिंह को अपनी यूनिवर्सिटी की 'उपलब्धि' दिखाने के लिए झूठा दावा करने में ज़रा भी झिझक महसूस नहीं हुई। हां, हम सबने देखा कि किस प्रकार उन्होंने सरकारी टेलीविजन चैनल डीडी न्यूज को विवरण दिया और वह भी उस किस्म की 'चतुराई' के साथ जो हम कॉर्पोरेट कंपनियों के जहीन सेल्समैन में देखते हैं कि 'ओरियन' नाम का रोबोटिक श्वान यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विकसित किया गया है, जबकि कड़वा सच यह है कि इस रोबोट को चीनी रोबोटिक्स कंपनी, 'यूनिट्री' ने ईजाद किया है, और यह भारत में भी ऑनलाइन बेचा जाता है।

इसमें अचरज नहीं है क्योंकि हमारी पीढ़ी ने यूनिवर्सिटी के जिस आदर्श को संजोया था, वह भरभरा कर टूट चुका है। हमने सोचा था कि किसी यूनिवर्सिटी की पहचान उसकी व्यावहारिक सहभागिता, अर्थपूर्ण अनुसंधान, आलोचनात्मक विचार, नैतिक संवेदनशीलता और सबसे ऊपर, शिक्षण की गरिमा से जानी जाएगी। एक यूनिवर्सिटी, जैसा कि हम मानते हैं, वह गुणवत्ता में किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान, शॉपिंग मॉल या विज्ञापन एजेंसी से अलग जगह होती है। लेकिन फिर, हम एक बिल्कुल अलग समय में जी रहे हैं। जैसे-जैसे बाजार चालित नव उदारवादी मशीनी तार्किकता शिक्षण क्षेत्र पर कब्जा कर लेती है, शिक्षा पूरी तरह से व्यापार बन जाती है, आलोचनात्मक विमर्श बलि चढ़ जाता है, छात्र उपभोक्ता बनकर रह जाता है और अध्यापक सेवा प्रदाता की भूमिका निभाने लगता है। कोई हैरानी नहीं कि एक यूनिवर्सिटी भी अपनी 'ब्रांड' वैल्यू बेचने लगी हैं -जैसे कोई कंपनी डिटर्जेंट पाउडर बेचती हो और बेचे जाने वाले अपने उत्पाद के फायदों के बारे में हर तरह के झूठे या बढ़ा-चढ़ाकर दावे करे।

असल में, रोबोटिक्स, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- ये फैंसी 'उत्पाद' हैं जिन्हें नवउदारवादी यूनिवर्सिटी रणनीतिक विज्ञापनों और बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों के ज़रिए बेचना चाहती है। इसलिए अगर कोई यूनिवर्सिटी एआई के क्षेत्र में अपनी उपलब्धि के बारे में झूठे दावे करती हो तो आपको और मुझे हैरानी क्यों होनी चाहिये? एक प्रकार से, प्रोफेसर नेहा सिंह को दोष नहीं दिया जाये क्योंकि आखिरकार वे खुद एक ऐसी संस्कृति का उत्पाद हैं जो यूनिवर्सिटी को लाभ कमाने वाला एक धंधा, एक प्रोफेसर को जन संपर्क एजेंट और छात्र अथवा अभिभावक को एक संभावित ग्राहक की तरह लेता है। भले ही गलगोटिया यूनिवर्सिटी फिलहाल खबरों में है, लेकिन सच तो यह है कि एक यूनिवर्सिटी को 'ब्रांड' के तौर पर बेचने का यह काम अब आम बात है। और शिक्षा के इस किस्म के सरेआम व्यवसायीकरण को 'रैंकिंग' की राजनीति और आगे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती है।

सड़क किनारे लगे बिलबोर्ड या चमकदार पत्रिकाओं एवं अखबारों में दिए भव्य विज्ञापन देखिए, तो आप आसानी से गौर कर सकते हैं कि कैसे इन सभी संस्थानों को 'टॉप रैंकिंग यूनिवर्सिटी' के तौर पर पेश किया जा रहा है। और ऐसी रैंकिंग एजेंसियों की कोई कमी नहीं है जिनकी सेवाएं ये यूनिवर्सिटियां निरंतर लेती रहती हैं और आमंत्रित करती हैं। और इन यूनिवर्सिटी की यत्नपूर्वक गढ़ी गई छवि अक्सर इनकी उपलब्धियों और सबसे बढ़कर, इनके 'प्रोडक्ट' (छात्रों) को, गूगल, इंफ़ोसिस, विप्रो, अमेजन वगैरह से मिलने वाले 'पैकेज' के बारे में हर तरह के बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों से भरी होती हैं। समझ नहीं आता कि हंसा जाये या रोया जाये, जब पाते हैं कि कोई यूनिवर्सिटी इस किस्म के शानदार विज्ञापन से खुद को 'दुकान' के तौर पर बेच रही होती है, मसलन, 'यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स एशिया 2026 में हासिल किया एक और मील का पत्थर... दक्षिणी एशिया में 116वें और पूरे एशिया में 454वें पायदान पर रखा गया है... डिग्री लेने वाले 98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने टॉप की कंपनियों में नौकरी पाई; 5.4 लाख रूप औसत सालाना पैकेज; और उच्चतम वेतन 1.5 करोड़ रुपये वार्षिक '।

इस किस्म के माहौल में, कोई प्रोफेसर सच की तलाश करने वाला नहीं हो सकता; उसे भी उस यूनिवर्सिटी की 'ब्रांड वैल्यू' के बारे में झूठे या बढ़ा-चढ़ाकर दावे करने पड़ते हैं जिसने उसे नौकरी पर रखा है। प्रोफेसर नेहा सिंह की मानसिक उलझन समझी जा सकती है। यह मत भूलिए कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी को, जैसा कि खबरें बताती हैं, एआई प्रदर्शनी हॉल में चार आईआईटी को कुल मिलाकर मिले बूथ से भी बड़ा बूथ मिला था। और विशेष तौर पर जब हमें बताया जाता है कि भारत को 'विश्वगुरु' होने के नाते आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस में पीछे नहीं रहना चाहिए- यह तकनीकी-आदर्शवाद का नवीनतम ब्रांड है जिसे कॉर्पोरेट अरबपति बेचने के लिए बेकरार हैं- तो शायद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने सत्तारूढ़ सरकार को खुश करने के लिए सारी हदें पार कर दीं और, विडंबना यह कि सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। वास्तव में, यह देश में राजनीति और शिक्षा की हालत पर एक दुःखद टिप्पणी है। इसी प्रकार, मान लीजिए, एक चीनी रोबोटिक श्वान को भारतीय आविष्कार के तौर पर दिखाने की यह अजीब इच्छा यह भी दर्शाती है कि हम भारत को एक नकलची देश में बदलने में कभी शर्म महसूस नहीं करते।

खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित लाने की हो व्यवस्था : हेमंत सोरेन

सभी राज्यों के नेताओं ने केंद्र सरकार से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खाड़ी देशों में बिगड़ती स्थिति पर देश के सभी राज्यों ने चिंता व्यक्त की है। झारखंड, ओड़िशा से लेकर कर्नाटक तक के नेताओं ने केंद्र सरकार व पीएम मोदी से वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खाड़ी देशों में बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी से वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने झारखंड के प्रवासियों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

सोरेन ने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार विदेश में फंसे राज्य के लोगों की हर संभव सहायता करेगी। सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, खाड़ी क्षेत्र में तेजी से बदल रही स्थिति अत्यंत चिंता का विषय है। मैं प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अनुरोध करता हूं कि इस गंभीर परिस्थिति में जो भी भारतीय स्वयं को असुरक्षित या फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं, उन्हें सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए आवश्यक कदम उठाया जाए। उन्होंने खाड़ी देशों में रहने वाले झारखंड सहित देश के अन्य हिस्सों के प्रवासियों से सतर्क रहने की अपील की और आश्वासन दिया कि भारत आपके साथ खड़ा है। उन्होंने लिखा, विशेष रूप से झारखंड के जो लोग खाड़ी देशों में रह रहे हैं, उन सभी से मैं अपील करता हूं कि किसी भी परेशानी में झारखंड राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

वहीं एआईएडीएमके सांसद आई एस इनबादुराई ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर यूएई सहित मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में उत्पन्न हो रही स्थिति पर चिंता व्यक्त की और सरकार से इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया।

एआईएडीएमके सांसद ने विदेश मंत्रालय को लिखा पत्र

इनबादुराई ने तमिलनाडु के परिवारों की चिंताओं को उजागर किया, विशेष रूप से एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी द्वारा किए गए अनुरोध के बाद, जिन्होंने केंद्र से मध्य पूर्वी देशों में रहने वाले भारतीयों, विशेषकर तमिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। इस संदर्भ में, हमारी पार्टी के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी द्वारा इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों और विशेष रूप से तमिलों की सुरक्षा के लिए किया गया अनुरोध तमिलनाडु के लाखों परिवारों की वास्तविक चिंता को दर्शाता है।

पटनायक ने लोगों को सुरक्षित वापसी की लगाई गुहार

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केंद्र सरकार से क्षेत्र में फंसे उड़िया लोगों की तत्काल सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, जिस पर केंद्र ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है। पटनायक ने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण प्रवासी श्रमिकों, पेशेवरों, छात्रों और पर्यटकों सहित ओडिशा के कई लोग फंसे हुए हैं। हवाई संपर्क बाधित होने से कई लोग गंभीर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उनकी सुरक्षा और कल्याण खतरे में है, और वे तत्काल सहायता के लिए देश की ओर देख रहे हैं। पटनायक ने आगे कहा कि भारत सरकार से अनुरोध है कि इस संघर्ष में फंसे सभी ओडिशावासियों की सुरक्षित निकासी और वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। त्वरित कार्रवाई न केवल जीवन की रक्षा करेगी बल्कि घर पर अनगिनत परिवारों को भी आश्वस्त करेगी जो अपने प्रियजनों के कुशल-मंगल के बारे में जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सिद्धारमैया ने की तत्काल वापसी की मांग

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव से प्रभावित कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया। एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव से प्रभावित कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीयों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मैंने राजनयिक प्रयासों को मजबूत करने, आवश्यकता पड़ने पर विशेष वापसी उड़ानों की व्यवस्था करने और दूतावासों और एयरलाइंस के माध्यम से समन्वित सहायता प्रदान करने का आग्रह किया है। कर्नाटक अपने लोगों की सुरक्षा और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग देने को तैयार है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने पत्र में पश्चिम एशिया के कई देशों द्वारा जारी किए गए हालिया हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और नोटिफिकेशन अलर्ट के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन बाधित हुआ है। उन्होंने कहा कि इन घटनाक्रमों के कारण बड़ी संख्या में कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं, विशेष रूप से यूएई (दुबई) जैसे प्रमुख पारगमन केंद्रों पर।

केजरीवाल ने पाठशाला की जगह मधुशाला बनवाई : पूनावाला

भाजपा नेता बोले- पंजाब में आप ने कोई वादा नहीं निभाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली में पाठशाला की जगह मधुशाला को प्राथमिकता देने और शीश महल बनवाकर जनता से धोखा करने का आरोप लगाया है। पूनावाला ने आप सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली को बर्बाद करने के बाद अब वे पंजाब में भी चुनावी वादे पूरे करने में विफल रहे हैं। केजरीवाल की हालिया टिप्पणियों पर निशाना साधते हुए, पूनावाला ने उन पर दिल्ली के साथ धोखा करने और पंजाब में किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया।

पूनावाला ने आरोप लगाया कि आप सरकार ने अपने कार्यकाल में राजधानी को बर्बाद कर दिया और पिछले एक साल में दिल्ली में हुए घटनाओं पर टिप्पणी करने के केजरीवाल के अधिकार पर सवाल उठाया। पूनावाला ने कहा कि वे ही थे जिन्होंने पाठशाला की जगह मधुशाला बनवाई। दो कमरों वाले रसोई-घर के घर में रहने का वादा किया था, लेकिन वीवीआईपी सुविधाओं का इस्तेमाल करते हुए कोविड के चरम पर शीश महल बनवा दिया। उन्होंने हर विभाग में भ्रष्टाचार और घोटाले किए, और दिल्ली को बर्बाद करने के बाद अब पंजाब को बर्बाद करने जा रहे हैं। उन्हें पिछले एक साल में दिल्ली में जो कुछ हुआ है, उस पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने पंजाब में आप के शासन को लेकर उस पर निशाना साधा और राज्य की जनता से किए गए चुनावी वादों के क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे कहा कि आप के वादे के मुताबिक कितनी महिलाओं को हजार रुपये मिले हैं? आप के वादे के मुताबिक कितने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता मिला है?

हिंसा व नफरत को बढ़ा रही भाजपा की राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आगामी चुनावी लड़ाई को एनडीए बनाम तमिलनाडु का नारा दिया और दावा किया कि उनकी सरकार की उपलब्धियां जानबूझकर डाले गए दबावों और बाधाओं के बावजूद हासिल की गई हैं। स्टालिन ने प्रगतिशील विकास के द्रविड़ मॉडल की तुलना भाजपा की विचारधारा से की, जिसे उन्होंने हिंसा, नफरत भरे भाषण और प्रतिगामी विचारधारा का मिश्रण बताया। चेन्नई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तमिलनाडु दोहरे अंकों की वृद्धि दर हासिल करने वाला एकमात्र राज्य बन गया है।

स्टालिन ने कहा कि हमारे सर्वांगीण प्रदर्शन के कारण ही भाजपा सरकार ने तमिलनाडु को आर्थिक प्रदर्शन के मामले में नंबर एक राज्य बताया है। हम न केवल नंबर एक हैं, बल्कि तमिलनाडु दोहरे अंकों की वृद्धि दर हासिल करने वाला एकमात्र राज्य भी है। आर्थिक विकास के अलावा, तमिलनाडु मानव विकास सूचकांक में भी प्रथम स्थान पर है। यह मेरे लिए गर्व और गौरव की बात है। उन्होंने भाजपा की दोहरे इंजन वाली सरकारों पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, क्या भारत भर में भाजपा शासित राज्य, जिन्हें तथाकथित दोहरे इंजन वाले राज्य कहा जाता है, ऐसा विकास दिखा सकते हैं? बिल्कुल नहीं। उन्होंने आगे कहा कि वे (भाजपा) केवल हिंसा, नफरत फैलाने वाले भाषण और प्रतिगामी विचारधारा को बढ़ावा देते हैं। इसके बिल्कुल विपरीत हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार खड़ी है। आपको विशेष रूप से यह ध्यान देना चाहिए कि ये सभी उपलब्धियां केंद्र सरकार के समर्थन के बिना हासिल की गईं। वास्तव में, हमने उनके द्वारा पैदा किए गए दबावों और बाधाओं के बावजूद इन्हें प्राप्त किया। स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि वे 2021 में दस साल के विजन के साथ मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि हम मेरी कल्पना से भी तेज गति से काम कर रहे हैं।

स्टालिन ने आगामी चुनावी लड़ाई को एनडीए बनाम तमिलनाडु का नारा दिया

राजनीतिक मकसद से केजरीवाल को बरी किया गया : उदितराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में निचली अदालत द्वारा अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने के बादसे सियासी वार-पलटवार थम नहीं रहा है। कांग्रेस भाजपा व आप दोनों को घेर रही है। कांग्रेस नेता उदित राज ने मंगलवार को दावा किया कि यह मामला भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पंजाब में पार्टी की प्रगति में बाधा डालने के लिए यह कदम उठाया है। राज ने दावा किया कि उत्पाद शुल्क नीति रातोंरात बदल दी गई। उन्होंने कहा कि निजी मकान निजी मालिकों को सौंप दिए गए। धन के लेन-देन का पता चला, जिसमें गोवा भेजा गया धन शामिल है, और कई मोबाइल फोन नष्ट कर दिए गए। उदित राज ने मामले और इसके परिणाम के पीछे राजनीतिक मकसद होने का आरोप लगाया।

टी20 वर्ल्डकप : पहला सेमीफाइनल कल

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका होंगे आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टी20 वर्ल्डकप 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका की भिड़ंत न्यूजीलैंड से 4 मार्च को होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर खेला जाना है। साउथ अफ्रीका की तरफ से बल्लेबाजी में एडेन मार्करम बेहतरीन फॉर्म में नजर आए हैं। मार्करम 7 मैचों में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 268 रन बना चुके हैं। वहीं, रयान रिकेल्टन भी लगातार बल्ले से अहम योगदान दे रहे हैं। रिकेल्टन 7 मैचों में 171 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 228 रन बना चुके हैं।

क्विंटन डी कॉक ने भी पावरप्ले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को दमदार शुरुआत दी है। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका की ओर से इस विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। एनगिडी 6 मैचों में अब तक 12 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश 11 विकेट निकाल चुके हैं। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम भी बेहतरीन लय में दिखाई दी है। बल्लेबाजी में टिम सीफर्ट ने 6 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 216 रन बनाए हैं। वहीं, रचिन रविंद्र लगातार बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे रहे हैं। ग्लेन फिलिप्स ने भी न्यूजीलैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को बखूबी संभाला है। गेंदबाजी में मिचेल सैंटनर, मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने बढ़िया प्रदर्शन किया है।

मैच में साउथ अफ्रीका का पलड़ा भारी

साउथ अफ्रीका इस टूर्नामेंट की इकलौती टीम है, जो विश्व कप में अजेय रही है। टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का पलड़ा न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी रहा है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की कुल 19 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 12 मुकाबलों में जीत प्रोटियाज टीम के हाथ लगी है। वहीं, न्यूजीलैंड ने सिर्फ 7 मैच जीते हैं। साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन टी20 विश्व कप 2026 में कमाल का रहा है। टीम ने टूर्नामेंट में अब तक खेले सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है। एडेन मार्करम की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 राउंड में भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है।

खामेनेई की मौत पर भारत में सियासी बवाल

सोनिया ने लेख में लिखा- भारत सरकार का मौन जिम्मेदारी से पीछे हटना

» कांग्रेस, सपा, आप और शिवसेना यूबीटी ने मोदी की चुप्पी पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पूरी दुनिया में अमेरिका व इसरायल को विरोध हो रहा है। भारत में भी जगह-जगह प्रदर्शन हो रहें है। इस बीच सियासत भी गरमाई है। कांग्रेस, सपा, आप व शिवसेना यूबीटी ने पीएम मोदी की चुप्पी पर निशाना साधा है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने यह भी मांग की कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के टूटने पर सरकार की 'चिंताजनक चुप्पी' पर खुलकर और बिना किसी टालमटोल के चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को एक प्रमुख दैनिक अखबार द इंडियन एक्सप्रेस में लिखे अपने लेख के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर तीखा प्रहार किया है।

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में चर्चा की जाए

सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर भारत सरकार के मौन को जिम्मेदारी से पीछे हटना करार दिया है। उन्होंने कहा, 'एक मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली हुसैनी खामेनेई की हत्या अमेरिका और इजराइल द्वारा एक दिन पहले किए गए लक्षित हमलों में कर दी गई थी। चल रही वार्ताओं के बीच एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या समकालीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक गंभीर दरार पैदा करती है।'' उन्होंने कहा कि फिर भी इस स्तब्ध कर देने वाली घटना से परे नयी दिल्ली की चुप्पी भी हैरान करने वाली है। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत सरकार ने न तो हत्या और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की है। सोनिया ने कहा कि हमें नैतिक शक्ति को ''पुन: खोजने'' और उसे स्पष्टता व प्रतिबद्धता के साथ व्यक्त करने की तत्काल आवश्यकता है। सोनिया गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रधानमंत्री मोदी लगातार खाड़ी देशों और इजराइल के नेताओं के संपर्क में हैं। विपक्ष का आरोप है कि भारत का वर्तमान रुख केवल एक पक्ष की ओर झुका हुआ लग रहा है, जिससे पारंपरिक रूप से संतुलित रही भारत की विदेश नीति कमजोर हो रही है। इस लेख के बाद अब बजट सत्र के दूसरे चरण में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक होने के आसार बढ़ गए हैं।

मोदी ट्रंप या नेतान्यहू से डर रहें है: राउत

शवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ईरान-इजराइल संघर्ष में हस्तक्षेप करने और युद्ध रोकने का आग्रह किया। उन्होंने खामेनेई की हत्या पर सरकार की चुप्पी की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि मोदी जी विश्व नेता और विश्वगुरु हैं, उन्हें ईरान-इजराइल संघर्ष रोकना चाहिए।

मोदी को अपने दोस्तों से भी ऐसा करने को कहना चाहिए। राउत ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को इजराइल को छोड़कर पूरी दुनिया मान्यता देती थी। वे भारत के सच्चे मित्र थे जिन्होंने हमेशा हमारे देश का समर्थन किया। वे नेहरू जी के अनुयायी भी थे। क्या मोदी इसी बात से नाराज हैं? जब ऐसे नेता की हत्या होती है, तो भारत के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को शोक व्यक्त करना चाहिए। वे किससे डरते हैं - इजराइल से या राष्ट्रपति ट्रंप से?

प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में ली गई महिलाओं को छोड़ा जाए : महबूबा

पीपुल्स डेमोक्रे टिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को जम्मू कश्मीर पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात से आग्रह किया कि वह अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर घाटी में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में ली गई महिलाओं को रिहा करने का आदेश दें। उन्होंने पुलिस प्रमुख से कहा कि इस स्थिति को करुणा और संवेदनशीलता के साथ संभालना चाहिए क्योंकि यह ''हमारे लिए शोक का समय'' है। खामेनेई की मौत के बाद भड़के प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 14 लोग घायल हो गए, जिनमें छह सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। महबूबा मुफ्ती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत पर एकजुटता व्यक्त करने के लिए कश्मीर भर में महिला प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की चिंताजनक खबरों के मद्देनजर, मैं जम्मू कश्मीर के डीजीपी से उनकी तत्काल रिहाई के आदेश जारी करने का आग्रह करती हूं।

पीएम की चुप्पी से भारत की प्रतिष्ठा कम हो रही: राहुल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- अंतरराष्ट्रीय कानून और मानव जीवन की रक्षा करने का साहस दिखाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से खामेनेई की हत्या पर खुलकर बोलने का आग्रह किया और कहा कि इस पर चुप्पी से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा कम हो रही है। राहुल ने कहा कि भारत को इस संघर्ष पर नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून और मानव जीवन की रक्षा करने का साहस दिखाना चाहिए। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए। हमें अंतरराष्ट्रीय कानून और मानव जीवन की रक्षा में खुलकर बोलने का साहस दिखाना चाहिए। हमारी विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे सुसंगत रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, मोदी को बोलना चाहिए। क्या वे विश्व व्यवस्था को परिभाषित करने के तरीके के रूप में किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या का समर्थन करते हैं? अब चुप्पी से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा कम हो रही है। पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ती शत्रुता पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने शांति बहाल करने के लिए संवाद और संयम को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता एक नाजुक क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की ओर धकेल रही है। लगभग एक करोड़ भारतीयों सहित करोड़ों लोग अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। सुरक्षा संबंधी चिंताएं वास्तविक हैं, लेकिन संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और भी गंभीर बना देंगे।

बरनाला रैली में राहुल का कांग्रेस की गुटबाजी पर सख्त संदेश

चंडीगढ़। बरनाला में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की रैली के बड़े सियासी मायने हैं। उन्होंने यहां भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तो जबरदस्त तरीके से निशाने पर लिया लेकिन आम आदमी पार्टी पर वे कुछ नहीं बोले। इतना ही नहीं उन्होंने पंजाब के किसी मसले, मुद्दे या समस्या का भी जिक्र नहीं किया। हालांकि भारत-यूएस ट्रेड डील का किसानों और व्यापारियों पर पड़ने वाले प्रभाव के दौरान उन्होंने पंजाब का नाम जरूर लिया मगर विशेष तौर पर उन्होंने सूबे के किसी मुद्दे को नहीं छुआ। राहुल की इस कूटनीति पर भाजपा और शिअद ने तंज कसा है। पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और मीडिया सचिव विनीत जोशी ने कहा कि बरनाला रैली में किसानों-मजदूरों के मुद्दे गायब रहे। राहुल गांधी द्वारा पंजाब में मजदूरों के साथ मनरेगा के तहत हुए हजारों करोड़ रुपये के घोटालों और किसान संकट का कोई उल्लेख न करना इस बात का प्रमाण है कि पंजाब में कांग्रेस आम आदमी पार्टी की बी टीम के रूप में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में मनरेगा योजना के तहत बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं और हजारों करोड़ रुपये के घोटालों के आरोप लगते रहे हैं लेकिन बरनाला रैली में कांग्रेस ने न तो मजदूरों की बकाया मजदूरी का मुद्दा उठाया और न ही किसानों की समस्याओं पर कोई स्पष्ट रणनीति पेश की। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ही इस मामले में चुप हैं जिससे स्पष्ट होता है कि दोनों दल एक-दूसरे को राजनीतिक लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं।

अमेरिका-इस्राइल हमले में मारे गए 13 ईरानी सैनिक

» 787 पहुंची ईरान में मृतकों की संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर जारी सैन्य हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई का आज चौथा दिन है। दोनों देशों की संयुक्त बमबारी तेज हो गई है और अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि यह अभियान चार-पांच हफ्ते तक चल सकता है। पूरा क्षेत्र युद्ध जैसे हालात से गुजर रहा है। भारत ने ईरान में रहने वाले अपने नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और यथासंभव घर के अंदर रहने की सलाह दी।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नई सलाह में कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और यथासंभव घर के अंदर रहने की सलाह दी जाती है। आगे कहा, भारतीयों को समाचारों पर नजर रखना जारी रखना चाहिए, स्थिति के प्रति सजग रहना चाहिए और भारतीय दूतावास से किसी भी आगे के मार्गदर्शन की प्रतीक्षा करनी चाहिए। बता दें कि छात्रों सहित लगभग 9,000 भारतीय ईरान में फंसे हुए बताए जा रहे हैं। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 हो गई है, यह जानकारी सरकारी मीडिया ने ईरानी रेड क्रिसेंट के हवाले से दी है।

मध्य पूर्व जाने वाली सभी उड़ानें रद्द

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एयर फ्रांस ने घोषणा की है कि उसने गुरुवार तक इस्राइल, लेबनान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि गंतव्य स्थान पर सुरक्षा स्थिति के कारण एयर फ्रांस ने 5 मार्च, 2026 तक तेल अवीव, बेरूत, दुबई और रियाद से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।

फुजैराह बंदरगाह पर लगी आग

संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने फुजैराह तेल उद्योग क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया है, जो एक दुर्घटनाग्रस्त ड्रोन के मलबे से भड़की थी। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक्स पर जारी बयान के मुताबिक फुजैराह के अधिकारियों ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को रोके जाने के बाद मलबा गिरने पर आपातकालीन टीमों ने तेजी से कार्रवाई की।

बिहार से नितिन और शिवेश राम बीजेपी से बने रास उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार से खाली हो रही पांच राज्यसभा सीटों में से बीजेपी ने दो पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पूर्व विधायक शिवेश कुमार ऊर्फ शिवेश राम को पार्टी ने कैंडिडेट घोषित किया है। शिवेश राम अगिआंव से विधायक रहे हैं। दलित नेता के तौर पर उनकी पहचान है। नितिन नवीन अभी बांकीपुर विधानसभा सीट से विधायक है।

उन्होंने बिहार के मंत्री पद से तो इस्तीफा दे दिया था लेकिन विधानसभा के सदस्य बने हुए हैं। अगर वो राज्यसभा के सदस्य बन जाते हैं तो उन्हें विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही हैं। खाली हो रही पांचों सीटों पर बीजेपी से कोई सांसद नहीं हैं।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में दोल पूर्णिमा पर भगदड़

» कई श्रद्धालु घायल, प्रशासन ने संभाली कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा में होली से पहले दोल पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को श्रीजगन्नाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर में अचानक भगदड़ जैसे हालात बन गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर बाद श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ गई। संकरी जगह और एक साथ आगे बढ़ने की कोशिश में लोगों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सबसे ज्यादा परेशान नजर आए। भीड़ के दबाव में कुछ श्रद्धालु गिर पड़े, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को संभाला और बाहर निकालने की कोशिश की। बाद में सुरक्षाकर्मियों और स्वयंसेवकों ने मोर्चा संभाला और भीड़ को नियंत्रित किया। सूचना मिलते ही पुलिस और मंदिर प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अतिरिक्त बल तैनात कर श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित किया गया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। प्रशासन का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है। घटना के बाद भीड़ प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहारों के दौरान अतिरिक्त इंतजाम और बैरिकेडिंग की जरूरत है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा